माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान का मनो-संदर्भिय चरों से सम्बन्ध का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय
एम.एड. परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2009-2010

निर्देशक
डॉ. एम.यू. पैईली
प्रवाचक

सह-निर्देशक
डॉ. अंजुली सुहाने
तदर्थ प्रवक्ता
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता-
दयावंता राऊत
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान का मनो–संदर्भिय चरों से सम्बन्ध का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय
एम.एड. परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2009–2010

D-381

निर्देशक
डॉ. एम.यू. पैईली
प्रवाचक

सह–निर्देशक
डॉ. अंजुली सुहाने
तदर्थ प्रवक्ता
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता–
दयावंता राऊत
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

घोषणा–पत्र

मैं, **दयावंता राऊत** एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करती हूँ कि **माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान का मनो–संदर्भिय चरों से सम्बन्ध का अध्ययन** नामक शीर्षक पर लघुशोध प्रबंध 2009–10 मेरे द्वारा डॉ. एम.यू. पैईली, प्रवाचक तथा डॉ. अंजुली सुहाने तदर्थ प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है।

इस शोध के लिये प्रदत्त एवं सूचनाएँ विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गयी है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2009–10 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघुशोध का उपयोग अन्य उपाधि के लिये प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांकः 29 · 04 · 2010

शोधार्थी
दयावंता राऊत
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय, शिक्षा संस्थान,
भोपाल

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **दयावंता राऊत,** एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्रा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.) के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल ने **"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान का मनो–संदर्भिय चरों से सम्बन्ध का अध्ययन"** विषय पर लघुशोध प्रबंध मेरे निर्देशन में विधिवत पूर्ण किया है।

यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि सन् 2009–10 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थानः क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांकः 29.04.2010

मार्गदर्शक
डॉ. एम.यू. पैइली
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
29.4.10

सह–मार्गदर्शक
डॉ. अंजली सुहाने
तदर्थ (व्याख्याता)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल
29.4.10

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत शोधकार्य की पूर्णता के लिये मैं अपने निर्देशक **डॉ. एम.यू. पैईली** की कृतज्ञ हूँ; जिन्होंने अत्याधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौदार्यपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया। मैं डॉ. अंजुली सुहाने की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य में मदद की। यह लघु-शोध ग्रंथअब दोनों के ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त मार्गदर्शन, आत्मीयता तथा वात्सल्यपूर्ण सहयोग अविस्मरणीय रहेगा।

मै, आदरणीय प्राचार्य डॉ. कृ.बा. सुब्रमणियम् एवं डॉ. एस.के. गुप्ता विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

मैं डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ.बी. रमेशबाबू, डॉ. के.के. खरे, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. एन.सी. ओझा, आनंद वाल्मिकी, संजय पंडागले, डॉ. सुनीति खरे, एवं उन समस्त गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर सेमीनार में उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग दिया है।

मैं माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की आभारी हूँ, जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग दिया।

मैं अपने पति श्री तेज ढवळे, आदरणीय माता-पिता श्रीमती शांता बाई राऊत एवं श्री भुरदास राऊत, जेष्ठ भाई रूपेश, शैलेश, मुकेश एवं छोटी बहन संगिता इन सभी सदस्यों की जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगी, जिन्होंने मेरे अध्ययन में विवाह के बाद भी महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन-मन धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

मैं अपने एम.एड. के सहपाठियों विशेषकर नियति, सोनम, सूर्या, चंद्रकुमार, मुकेश तथा समस्त सहपाठियों का आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे परामर्श एवं प्रोत्साहन प्रदान किया।

अंत में मैं शोधकार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोध कार्य में, जिन्होंने किसी न किसी रूप से सहयोग प्रदान किया है, उन समस्त का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी रहूँगी।

स्थानः– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांकः 29.04.10

शोधार्थी
दयावंता राऊत
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय, शिक्षा संस्थान,
भोपाल

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषयवस्तु	
अध्याय– 1	शोध परिचय	पृष्ठ संख्या
1.1	प्रस्तावना	1–20
1.1.1	भूगोल का शाब्दिक अर्थ	
1.1.2	भूगोल की शाखाएँ	
1.1.3	भूगोल शिक्षण का स्वरूप	
1.1.4	भूगोल शिक्षण के उद्देश्य	
1.1.5	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2005 में भूगोल का स्थान	
1.1.6	मनो–संदर्भिय चर तथा व्यवहारिक ज्ञान	
1.1.7	भूगोल शिक्षण की विधियाँ	
1.1.8	भूगोल की शिक्षण सहायक सामग्री	
1.2	अध्ययन की आवश्यकता	16–17
1.3	समस्या का कथन	17
1.4	शोध के उद्देश्य	18
1.5	अध्ययन की परिकल्पना	18–19
1.6	चरों की परिभाषा	19–20
1.7	अध्ययन का सीमांकन	20
अध्याय–2	सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन	21–29
2.1	प्रस्तावना	21–22
2.2	सम्बन्धित शोधकार्य का पुनरावलोन	22–28
अध्याय–3	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	30–34
3.1	प्रस्तावना	30
3.2	शोध अभिकल्प	30
3.3	न्यादर्श का चयन	30–31

3.4	शोध के चर	32
3.5	शोध उपकरण	32-34
	3.5.1 भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान की मापनी।	
	3.5.2 सामाजिक-आर्थिक मापनी	
	3.5.3 कल्चर फेयर बुद्धि परीक्षण (स्केल-2)	
	3.5.4 शैक्षिक उपलब्धि	
3.6	प्रदत्त संकलन	34
3.7	सांख्यिकी का प्रयोग	34
अध्याय-4 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या		**35-44**
4.1	प्रस्तावना	35
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	35-44
अध्याय-5 शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव		**45-50**
5.1	प्रस्तावना	45
5.2	समस्या का कथन	45
5.3	शोध के उद्देश्य	46
5.4	शोध की परिकल्पना	46
5.5	अध्ययन के चर	47
5.6	शोध अभिकल्प	47
5.7	न्यादर्श	47
5.8	प्रदत्तों का विश्लेषण	48
5.9	मुख्य परिणाम निष्कर्ष	48
5.10	निष्कर्ष	49
5.11	शैक्षिक सुझाव	49-50
5.12	भावी शोध हेतु सुझाव	50

तालिका सूची

3.3 न्यादर्श का चयन

3.3.1 न्यादर्श का विवरण 31

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण

4.2.1 भौगोलिक व्यवहारिक ज्ञान का स्तर तालिका 36

4.2.2 भौगोलिक व्यवहारिक ज्ञान के स्तर का विस्तार 37

4.2.2.3 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान एवं बुद्धी के सम्बन्ध का विवरण। 39

4.2.2.4 उच्च निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान में अन्तर का विवरण। 40

4.2.2.5 विद्यार्थियों का भौगोलिक व्यावहारिक ज्ञान तथा भूगोल शैक्षिक उपलब्धी के सम्बन्ध का विवरण 41

4.2.2.6 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों का भौगोलिक व्यावहारिक ज्ञान के बीच अन्तर का विवरण। 42

4.2.2.7 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान में अन्तर का विवरण । 44

4.2.2.8 शासकीय तथा अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों का भौगोलिक अवधारणाओं के व्यावहारिक ज्ञान में अन्तर का विवरण 43

आकृति सूची विवरण

भौगोलिक व्यावहारिक ज्ञान का साधारण 37